

राज्यपाल सचिवालय

लोकभवन, राजस्थान

अखिल भारतीय अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह में राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों से चयनित 31 साहित्यकारों को सम्मानित किया

अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है- राज्यपाल

जयपुर/दौसा, 20 दिसंबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है और विद्वपताओं को मिटाता है। राज्यपाल शनिवार को दौसा जिले के लालसोट में अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री बागडे ने कहा कि साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, जो समाज को नई दिशा एवं सोच देता है। यह समाज को सोचने पर मजबूर करता है। उन्होंने साहित्य के भाव को स्पष्ट करते हुए कहा कि साहित्य में सबका हित निहित होता है। इसका मूल तत्व सबका हित साधना है। उन्होंने कबीर एवं रहीम के साहित्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज सुधारने का संदेश दिया, जो रूढ़ियों एवं बुराइयों का प्रतिकार करता है। उन्होंने मैथिली शरण गुप्त एवं वाल्मीकि की ओर से साहित्य के माध्यम से समाज को दिए योगदान का भी जिक्र किया।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी से पहले विदेशियों ने हमारे देश का काफी झूठा इतिहास भी लिखा है, जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने इसे आधुनिक साहित्यकारों की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि आप ऐसे विकृत इतिहास को खोजें और सुधारें। उन्होंने कहा कि साहित्यकार का नैतिक दायित्व है कि वह नया साहित्य और नई संस्कृति की दृष्टि दें।

राज्यपाल ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही पिछड़े, जनजाति एवं घुमंतू वर्ग के लोग बराबरी के स्तर पर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति सबको आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा देश दुनिया में अग्रणी बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 29 देशों ने अपना सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया है। इससे स्पष्ट है कि भारत विश्व गुरु एवं विश्व का नेता है। उन्होंने इसमें साहित्यकारों से भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इससे पहले राज्यपाल श्री बागडे ने अनुराग सेवा संस्थान के 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित अखिल भारतीय अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह में विभिन्न राज्यों से चयनित 31 साहित्यकारों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

स्थापित:- 1994

गौरव पूर्ण 31 वर्ष

रजि. नं. 27/94-95



अनुराग-31



21 जुलाई, 2025 से 21 जुलाई, 2026

अखिल भारतीय

अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह

20 दिनांक 2025 से 21 जुलाई, 2025



अनुराग-

21 जुलाई, 2025 से 21 जुलाई,

अखिल भारतीय

अनुराग साहित्य अलंकरण

दिनांक 2025 से



स्थापित:- 1994

रजि. नं. 27/94-95

स्थापित:- 1994

रजि. नं. 27/94-95



